

# माँ बलिराजी सेवा संस्था

(इंडियन सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के अधीन  
विधिमान्य)

मान्यता प्राप्त— निःशक्त जन अधिनियम 1995, उ०प्र०, लखनऊ

नेशनल ट्रस्ट, आर०सी०आई०, एन०आई०ओ०एस०, योगा  
सर्टिफिकेशन बोर्ड भारत सरकार

कार्यक्षेत्र— सम्पूर्ण भारत

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

2021—2022

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय

हरगढ़ बाजार, मिर्जापुर, उ०प्र०

मोबाइल — 09918388887

स्टडी सेन्टर — दुधनाथ रेलवे कासिंग, विन्ध्याचल रोड, मीरजापुर

उ०प्र० मोबाइल — 9918388887



## वार्षिक प्रगति-2021-2022

- 1- स्वास्थ्य परीक्षण:-संस्था विकलांग बच्चों एवं सामान्य पढ़ने वाले बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा उनको आवश्यकतानुसार डाक्टर की सलाह से निःशुल्क दवाओं का वितरण कराया। डाक्टरों ने अन्य व्यक्तियों का भी परीक्षण किया।
- 2- निःशक्त प्रशिक्षण शिविर:-संस्था निःशक्त जनों के हितार्थ में कई प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जहाँ विकलांगजनों को आवश्यक रोजगारपरक व्यवसाय से सम्बन्धित प्रशिक्षण तथा स्वयं की जिम्मेदारियों से सम्बन्धित प्रशिक्षण दिया गया।
- 3- जन जागरण शिविर:-संस्था प्रारम्भिक शिक्षा मौलिक अधिकार है, को दृष्टिगत रखते हुए स्कूल के बाहर बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया तथा कुल 350 बच्चों का नामांकन जनपद के विभिन्न विकास खण्डों के विद्यालयों में कराया गया। इसका उद्देश्य बालकों को समाज की मुख्य धारा से जोडना था।  
  
जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निःशुल्क बालक के शिक्षा व पुर्नवास हेतु जन समुदाय आधारित कार्यक्रम का संचालन किया गया जिसका लाभ जन समुदाय ने लिया।
- 4- विभिन्न सम्मानित संस्थाओं तथा समाजसेवियों के सहयोग से यंत्रों व उपकरणों के वितरण के लिए निःशक्तता की पहचान की गयी।
- 6- संस्था द्वारा विकलांगता की पहचान व बचाव के लिए जन संचार के कार्यक्रम जैसे- प्रचार-प्रसार, प्रहसन के द्वारा आम जनों को जागरूक किया गया।



- 7- इस संस्था के पहचान प्रक्रिया के बाद यंत्रों व उपकरणों का वितरण किया गया।
- 8- निःशक्त व्यक्तियों के स्वास्थ्य हेतु इस सत्र में स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के विभिन्न डाक्टरों व विशेषज्ञों के सहयोग से छात्रों ने यह कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न किया।
- 9- विकलांग प्रमाण पत्र हेतु संस्था द्वारा निःशक्त व्यक्तियों को सहायता प्रदान की गयी।
- 10- पुर्नवास शिक्षा:-संस्था विकलांगों के पुर्नवास के लिए आर0सी0आई0 द्वारा श्रवण बाधित एवं मानसिक मंद बालको के सेवा हेतु बी0ए0एस0एल0पी0 कोर्स का संचालन कर रही है।
- 11- जिले के विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों में संस्था द्वारा सर्वे किया गया। जहाँ निःशक्त बालकों का चिन्हांकन किया गया।
- 11- रोजगारपरक प्रशिक्षण शिविर:- निःशक्त को आत्मनिर्भर बनाने हेतु रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया गया जिसमें मोबाइल, सयंत्र रिपेयरिंग, गैस चूल्हा मरम्मत, मोटर वाइडिंग तथा सिलाई कढ़ाई सम्बन्धी प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिससे जन मानस आत्मनिर्भर बन सके और अपनी मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें।
- 12- पल्स पोलियों जागरण शिविर:-स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर संस्था गांवों में मुस्लिम बस्तियों में पल्स पोलियों ड्रॉप के बारे में जनमानस को अवगत कराया तथा 0-5 साल तक के समस्त बच्चों को विकलांगता से बचने के उपाय सुझाये गये।



- 13- स्कूल चलो अभियान:- संस्था बच्चों की रैली के माध्यम से बैनर, पोस्टर, बाजे-गाजे के साथ-साथ जन मानस में यह ज्योति जलाई की समस्त 6-14 बय वर्ग के बच्चे शिक्षा की मुख्य धारा में आये तथा वे भी देश के निरन्तर उत्तरोत्तर प्रगति में सहभागी बनें।
- 14- कोरोना से सम्बन्धित जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन संस्था द्वारा विभिन्न स्तर पर किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को अनाज इत्यादि की सहायता प्रदान किया गया। संस्था द्वारा अपने परिसर में ही कैम्प लगवा कर कोविड टीकाकरण का आयोजन किया गया।
- 15- पेयजल स्वच्छता शिविर:-संस्था चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों के माध्यम से पानी से हाने वाली बीमारियों तथा किस प्रकार से बीमारियों से मुक्ति पाया जाय एवं स्वच्छ जल सम्बन्धी टीप्स दिये गये क्लोरिन एवं ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग तथा इसके लाभ सम्बन्धी जानकारी दी गयी।
- 16- उपकरण वितरण शिविर:-संस्था विकलांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में लाने हेतु 545 विभिन्न तरह के उपकरण जैसे ट्राइसाईकिल, व्हील चेयर, वैशाखी, कान की मशीन, ब्लाइण्ड छड़ी, कैलीपर आदि वितरण कराये।





1. जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी मीरजापुर के द्वारा संस्थान में अध्ययनरत बच्चों को एम0आर0 किट व दिव्यांगों को साइकिल वितरण किया गया।
2. इस वर्ष हमारे संस्थान द्वारा विश्व सीपी दिवस मनाया गया जिसमें सी0पी0 बच्चों के माता-पिता को चिकित्सकों से वार्तालाप करवा कर उनको उचित सलाह व दिशानिर्देश दिलाया गया।
3. नेशनल ट्रस्ट के प्रोग्राम के अन्तर्गत 20 बच्चों का एडमीशन किया गया जिसमें 08 आई0डी0, 04 सी0पी0 व 02 आटिज्म बच्चे हैं।
4. मानसिक दिव्यांग, प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात तथा बहुदिव्यांगता से ग्रसित दिव्यांग बच्चों का यूडीआइडी कार्ड बनवाने के लिए आवेदन किया गया।

क्रम0 स0	लाभार्थी	संख्या
1	आई0डी0	08
2	सी0पी0	04
3	आटिज्म	02
	योग	14

5. संस्था द्वारा दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में लाने हेतु विभिन्न तरह के उपकरण वितरण कराया गया।
6. एम0आर0 एवं सी0पी0 हेतु गृह आधारित शिक्षा मोबाइल स्रोत सलाहकारों के द्वारा उपलब्ध करायी गयी

